Title: Demand to present and discuss the report of SC & ST Commission in the House.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : सभापति महोदय, आज पूरे देश में प्रतिदिन अखबारों में अनुसूचित-जाति, जनजाति के ऊपर अत्याचारों के समाचार आ रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले बिजनौर में दलित महिलाओं को नंगा करके घुमाने का भी समाचार आया है और हर जगह से समाचार आने लगे हैं। दुर्भाग्य से इस सदन में कई मंत्रालयों पर चर्चा नहीं हो पाती है और खास कर वेलफेयर मिनिस्ट्री के ऊपर तो कभी चर्चा होती ही नहीं है।

महोदय, मैं आपसे आग्रह करना चाहूंगा, अभी सारी पार्टियों के एससी, एसटी फोरम के सदस्यों की बैठक हुई थी और उसमें हम लोगों ने बिज़नेस एडवायज़री कमेटी में भी आग्रह किया है। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि अनुसूचित-जाति, जनजाति आयोग, जो कांस्टीटयूशनल बाडी है, जिसके चेयरमैन को केबिनेट मिनिस्टर का दर्जा दिया गया है, वह कमीशन की रिपोर्ट सरकार के पास काफी दिनों से पड़ी हुई है। सरकार को इस पर कुछ नहीं करना है, केवल सदन में उस रिपोर्ट को पेश करना है। दुर्भाग्य से पिछले सात-आठ साल से वह रिपोर्ट पेश नहीं हो पा रही है। मैं आपसे आग्रह करना चाहूंगा कि सदन में जल्दी से जल्दी अनुसूचित-जाति, जनजाति आयोग की रिपोर्ट को संसदीय कार्य मंत्री पेश करवाएं और उसके ऊपर डिबेट हो, जिससे कि लोगों में जो गुस्सा है वह शांत हो सके। मैं समझता हूं कि यह कोई पार्टी वगैरह का मामला नहीं है, जब हर चीज पर आप जवाब दे रहे हैं तो यह सरकार एश्योर करे कि इस सत्र की समाप्ति के पहले आप इस सदन में अनुसूचित-जाति, जनजाति आयोग ने जो रिपोर्ट सरकार के पास दे दी है और जिसको सिर्फ आपको पेश करना है उसको आप सदन में पेश कर वाएंगे।

श्री मदन लाल खुरानाः सभापति जी, दो बातें इन्होंने कही हैं। पहली तो रिपोर्ट के बारे में और दूसरी बहस कराने के बारे में। अनुसूचित जाति और जनझ्जाति पर जो अत्याचार हो रहे हैं उस पर बहस कराने के बारे में इनका पहला मुद्दा है और दूसरा है कि उसकी रिपोर्ट पेश की जाए। यह प्रश्न अभी आया है, इसकी पूरी जानकारी अभी मुझे नहीं है। अगर रिपोर्ट तैयार है तो मैं निश्चित रूप से पता करूंगा, बल्कि उस पर एक्शन प्लान भी होना जरूरी होता है। यह अगर तैयार है तो मैं संबंधित मंत्री से बात करके जवाब दूंगा, आज अभी तो जवाब दे नहीं सकता हूं। जहां तक चर्चा की बात है आप बिजनैस एडवाइजरी कमेटी में आते हैं और कल उसकी बैठक भी है। अगर आप उसके बारे में बहस करना चाहें तो सरकार को कोई एतराज नहीं है।

श्री राम विलास पासवान : रिपोर्ट पर बहस करा दें तो अलग से चर्चा की जरुरत ही नहीं है।

">

श्री अशोक प्रधान (खुर्जा) : सभापति जी, जैसा अभी पासवान जी ने कहा रिपोर्ट पर बहस सदन में होनी चाहिए, यह बहुत जरूरी है। पिछली सरकारें जो गलती करती रही हैं या किन्हीं कारणों से बहस नहीं करा सकी हैं

... (व्यवधान)

अब तो हमारी सरकार है।

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : सभापति जी, सदन जानना चाहता है कि रिपोर्ट कब पेश होगी?

सभापति महोदय : अभी-अभी मंत्री जी ने कहा है कि अगर रिपोर्ट है तो पेश करेंगे।

">

श्री अशोक प्रधान : जब आपकी सरकार थी तब तो रिपोर्ट पेश नहीं हुई लेकिन अब हमारी सरकार है और अगर कहा है तो रिपोर्ट जरूर पेश होगी।

सभापति महोदय : इस प्रकार बात करेंगे तो आपका नम्बर नहीं आयेगा।

श्री गौरी शंकर चतुर्भुज बिसेन (बालाघाट) : सभापति जी, इनकी सरकार में रिपोर्ट क्यों नहीं आई।

सभापति महोदय : आपका टाइम होगा तब आप बात करना, अभी आप अपनी सीट पर बैठ जाइये।